vinetur

स्पेन के कैस्टिला-ला मंचा में सूखा-रोधी वाइनयार्ड रूटस्टॉक पर तीन-वर्षीय अध्ययन शुरू

गर्मी और पानी की कमी के दबाव में tempranillo और macabeo लताओं का मूल्यांकन कर शोधकर्ता प्रमुख वाइन क्षेत्र में रोपण संबंधी फैसलों को दिशा देंगे

मंगलवार, 17 नवंबर 2026



कैस्टिला-ला मंचा की क्षेत्रीय सरकार ने सोमवार, 16 नवंबर को कहा कि एक नई तीन-वर्षीय शोध परियोजना यह जांचेगी कि वाइनयार्ड को सूखे और गर्मी के प्रति अधिक प्रतिरोधी कैसे बनाया जा सकता है। ये दोनों दबाव स्पेन के सबसे महत्वपूर्ण वाइन उत्पादक क्षेत्रों में से एक में बढ़ रहे हैं।

RESILVIÑA नामक इस परियोजना को Ciudad Real प्रांत के Tomelloso स्थित Regional Institute for Agri-Food and Forestry Research and Development (IRIAF) में प्रस्तुत किया गया। क्षेत्रीय सरकार के अनुसार, यह पहल 36 महीने चलेगी और इसमें अध्ययन किया जाएगा कि tempranillo और macabeo अंगूर की किस्में अलग-अलग रूटस्टॉक पर ग्राफ्ट किए जाने पर कैसा प्रदर्शन करती हैं। इसका उद्देश्य ऐसे संयोजनों की पहचान करना है जो पानी की कमी और उच्च तापमान को बेहतर ढंग से सह सकें।

यह काम दक्षिणी यूरोप के वाइनयार्ड के सामने मौजूद केंद्रीय चुनौतियों में से एक पर केंद्रित है : कम भरोसेमंद होती बारिश और बढ़ती गर्मी की घटनाओं के बीच उत्पादन तथा अंगूर की गुणवत्ता कैसे बनाए रखी जाए। व्यावहारिक तौर पर, परीक्षणों में खेतों में लताओं और रूटस्टॉक के अलग-अलग संयोजनों की तुलना की जाएगी और उनके कृषि संबंधी प्रभावों के साथ-साथ वाइन बनाने के लिहाज से उनके प्रदर्शन का भी मूल्यांकन होगा।

अगर परियोजना से स्पष्ट नतीजे सामने आते हैं, तो अधिक कठोर जलवायु परिस्थितियों में रोपण सामग्री चुनने के लिए उत्पादकों को नए मानदंड मिल सकते हैं। इसका महत्व खेतों के प्रबंधन से आगे तक हो सकता है। वाइन कारोबार और संभवत: पेय क्षेत्र के उन व्यापक हिस्सों के लिए भी, जो अंगूर की स्थिर आपूर्ति और लगातार अच्छी गुणवत्ता वाले फल पर निर्भर हैं, पानी की कमी और गर्मी के प्रति बेहतर अनुकूलन भविष्य के उत्पादन के संरचनात्मक जोखिम को घटाने में मदद कर सकता है।

क्षेत्रीय सरकार ने कहा कि इस शोध से तकनीकी मार्गदर्शिकाएं और पूर्वानुमान मॉडल तैयार होंगे, जिनका उद्देश्य उत्पादकों के फैसलों में मदद करना है। इन साधनों से वाइन उत्पादकों को अलग-अलग स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल रूटस्टॉक चुनने और कैस्टिला-ला मंचा में वाइनयार्ड की दीर्घकालीन सहनशीलता बेहतर बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

परियोजना में पांच संस्थाएं भाग ले रही हैं: Virgen de las Viñas; Mancha Occidental II भूजल उपयोगकर्ता संघ; Mancha Norte ग्रामीण विकास समूह; IRIAF; और University of Castilla-La Mancha (UCLM)। प्रतिभागियों के इस समूह में उत्पादक, जल प्रबंधक और शोध संस्थान शामिल हैं, जो उत्पादन और संसाधन संबंधी सीमाओं—दोनों पर परियोजना के फोकस को दर्शाता है।

प्रस्तुति के दौरान, क्षेत्रीय कृषि, पशुपालन और ग्रामीण विकास मंत्री Julián Martínez Lizán ने वाइन क्षेत्र को कैस्टिला-ला मंचा की अर्थव्यवस्था और पहचान का एक बड़ा हिस्सा बताया। क्षेत्रीय सरकार के अनुसार, उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में 5% योगदान देता है और सालाना 2 अरब यूरो से अधिक का कारोबार पैदा करता है।

ये आंकड़े बताते हैं कि अनुकूलन संबंधी शोध को सार्वजनिक समर्थन क्यों मिल रहा है। कैस्टिला-ला मंचा यूरोप के सबसे बड़े वाइनयार्ड क्षेत्रों में से एक है और यहां के उत्पादक पानी की कम उपलब्धता, बढ़ते तापमान और वाइनयार्ड को लाभदायक बनाए रखने के दबाव—इन सभी के संयुक्त प्रभावों से जूझ रहे हैं। रूटस्टॉक का चुनाव उत्पादकों के लिए उपलब्ध उपायों में से एक है, क्योंकि जड़ प्रणाली यह प्रभावित कर सकती है कि लताएं सूखे का सामना कैसे करती हैं, पोषक तत्व कैसे अवशोषित करती हैं और दबाव की स्थिति में कैसा प्रदर्शन बनाए रखती हैं।

सरकार ने कहा कि RESILVIÑA एक व्यापक नवाचार कार्यक्रम का हिस्सा है, जो तथाकथित ऑपरेशनल समूहों पर आधारित है। यह ढांचा किसानों, कंपनियों, सहकारी संस्थाओं, विश्वविद्यालयों और शोध केंद्रों को व्यावहारिक परियोजनाओं में जोड़ने के लिए बनाया गया है। क्षेत्रीय प्रशासन के अनुसार, कैस्टिला-ला मंचा में इस व्यवस्था के तहत 42 नवाचार परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है और इनमें करीब 10 मिलियन यूरो की सहायता दी गई है।

सरकार के अनुसार, इन 42 परियोजनाओं में 14 कृषि, 15 पशुपालन और 13 कृषि-खाद्य क्षेत्र से जुड़ी हैं। UCLM इनमें से 26 और IRIAF 12 परियोजनाओं में शामिल है। प्रशासन ने कहा कि भागीदारी का यह स्तर शोध को व्यावहारिक इस्तेमाल तक पहुंचाने में मदद करता है। व्यापक नवाचार पोर्टफोलियो में शामिल अन्य संस्थाओं में Provincial Agronomic Technical Institute, कैस्टिला-ला मंचा का औद्योगिक प्रौद्योगिकी केंद्र ITECAM, University of Córdoba, University of Alcalá, Polytechnic University of Madrid और Mushroom Research, Experimentation and Services Center शामिल हैं।

क्षेत्रीय सरकार ने RESILVIÑA को कृषि उत्पादकता और स्थिरता के लिए यूरोपीय नवाचार साझेदारी (EIP-Agri) का हिस्सा बताया। यह साझेदारी खेती और खाद्य उत्पादन की विशिष्ट समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से बनी

परियोजनाओं को समर्थन देती है। इस मामले में समस्या स्पष्ट है : जलवायु परिस्थितियां अधिक कठिन होने के बावजूद वाइनयार्ड को उत्पादक कैसे बनाए रखा जाए।

उत्पादकों के लिए परियोजना का महत्व इस बात पर निर्भर करेगा कि खेतों में किए गए परीक्षण व्यावसायिक पैमाने पर लागू की जा सकने वाली सिफारिशें देते हैं या नहीं। Tempranillo स्पेन में सबसे व्यापक रूप से उगाई जाने वाली लाल अंगूर किस्मों में से एक है, जबकि macabeo सफेद वाइन और कुछ स्पार्कलिंग वाइन के उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण है। सूखे और गर्मी में कुछ खास रूटस्टॉक से लताओं के जीवित रहने, उपज या अंगूर के संतुलन में सुधार के प्रमाण मिलते हैं, तो इससे नए वाइनयार्ड में रोपण के फैसले और समय के साथ मौजूदा वाइनयार्ड को दोबारा लगाने की रणनीतियां प्रभावित हो सकती हैं।

यह परियोजना अंगूर की खेती को जल प्रबंधन से अधिक सीधे तौर पर भी जोड़ती है। भाग लेने वाले संगठनों में से एक Mancha Occidental II भूजल निकाय के उपयोगकर्ताओं का प्रतिनिधित्व करता है। यह ऐसा क्षेत्र है जहां जल संसाधनों पर दबाव लंबे समय से एक गंभीर मुद्दा रहा है। इसलिए यह परियोजना केवल वाइनयार्ड का अध्ययन नहीं, बल्कि कृषि उत्पादन को अधिक कठोर पर्यावरणीय सीमाओं के अनुरूप बनाने के व्यापक प्रयास का भी हिस्सा है।

चूंकि घोषणा क्षेत्रीय सरकार की ओर से की गई है, इसलिए परियोजना के कई अंतिम नतीजे अभी सामने आने बाकी हैं। लेकिन इसकी शुरुआत दिखाती है कि सार्वजनिक और उद्योग जगत का ध्यान किस ओर जा रहा है : ऐसे अनुकूलन उपायों की ओर, जिन्हें खेतों में परखा जा सके, तकनीकी सलाह में बदला जा सके और अधिक शुष्क तथा गर्म भविष्य का सामना कर रहे उत्पादकों के काम में लाया जा सके।